वार्तालाप – 416, बहलवा (हरियाना), ता–10.10.07
Disc.CD No.416, dated 10.10.07 at Bahalwa (Hariyana)

समय– 13.10
जिज्ञासू – बाबा, अपने विकार को जीतने के लिए आदमी प्रयास करे अपने पुरूषार्थ से और कोई दूसरी आत्मा उनसे ऋण माँगती है, कर्ज माँगती है। तो उसको चुकावें या अपना विकार जीतें इसके बारे में.....
बाबा – ऋण माँगती है?
जिज्ञासू – हाँ, जैसे कोई अड़चन डालता है और ये साबित करता है कि मुझे आपसे ये लेना है।
बाबा– क्या लेना है?
जिज्ञासू– हिसाब चुक्तू करना है कुछ चीज़ के बारे में। तो उससे सामना करें या अब अपना पुरूषार्थ करें अपने विकार को जीतने के लिए?
Time: 13.10
Student: Baba, if a man tries to gain victory over his vices (lust) and if another soul asks him to clear a debt, so, should he clear that debt or should he gain victory over his lust? About this.....
Baba: Seeks debt?
Student: Yes, suppose someone creates an obstacle and proves that, 'I have to take this from you'.
Baba: What does he wish to take?
Student: He wants to clear the *karmic* accounts on some aspects. So, should we confront him or should we do our *purusharth* (special effort for the soul) to gain victory over our lust?

बाबा – तुम्हारा साथी कौन है?
जिज्ञासू – शिवबाबा।
बाबा – तो फिर? शिवबाबा ये कहते हैं कि कोई का हिसाब चुक्तू....किसी का उधार लिया है तो देंगे नहीं?
जिज्ञासू – तो विकार में नहीं जीत पाऐंगे। हमारी हार हो जाएगी।
बाबा – हार कैसे हो जाएगी? हम गृहस्थी हैं। सन्यासी तो नहीं है। गृहस्थ में चल रहे हैं ना। यहाँ एडवान्स पार्टी में सब गृहस्थी निकले हैं या फुल सरेन्डर सन्यासी निकले हैं? गृहस्थी निकले हुए हैं। तो गृहस्थी जो चल रहे हैं, गृहस्थी बन करके उनका हिसाब–किताब घर परिवार से है या नहीं है? अगर वो घर–गृहस्थ को छोड़ दें और अलग रास्ता अपना लें तो ये श्रीमत है क्या? जो रचना रची हुई है उस रचना को ठिकाने नहीं लगाना है? पत्नी क्या है? पत्नी रचना है ना। उसको ठिकाने नहीं लगाना हैं? रचयिता अपना उद्धार कर ले और रचना का उद्धार न करे, ये बाबा का नियम है?
Baba: Who is your companion?
Student: Shivbaba.
Baba: Then? Does Shivbaba say that you should not clear the debts with someone? If you have taken a debt from someone, will you not return it?
Student: Then we will not be able to conquer lust. We will suffer defeat.
Baba: How will you suffer defeat? We are householders. We are certainly not *sanyasis*. We are following the path of household, aren't we? Here, in the advance party, have all the householders emerged or have full surrendered *sanyasis* emerged? The householders have emerged. So, the householders who are following (this knowledge) being in the path of household, do they have *karmic* accounts with their family or not? If they leave the household and adopt a different path, then is it (in accordance with) *shrimat*? Should they not help their

creation to reach the destination? What is a wife? A wife is a creation, isn't she? Should she not be enabled to reach the destination? If a creator uplifts himself and does not uplift the creation, then is it in accordance with Baba's rule?

बाबा क्या कहते हैं? मैं तुम बच्चों को साथ लेकर के जाऊँगा। क्या? ऐसे नहीं मैं अकेला मुक्तिधाम में चला जाऊँ। तो राम की आत्मा को भी सोचना पड़े कि कृष्ण उसका सतयुग में बच्चा बनेगा। राम राज्य होगा ना। तो राम वाली आत्मा तो राम राज्य स्थापन करेगी और सतयुग में कृष्ण बच्चा पैदा होगा। तो कृष्ण बच्चे का उद्धार साथ–साथ करना पड़े ना। भल उसका शरीर नहीं है; लेकिन आत्मा, तो उसका उद्धार होगा कि नहीं होगा? नहीं तो जन्म लेने के काबिल कैसे बनेगी? तो साथ–साथ सतयुग में जावेंगे। राम वाली आत्मा भी जाएगी और कृष्ण वाली आत्मा भी जाएगी। तो सभी बच्चों का क्या कर्तव्य है? रचना को साथ लेके चलना है या छोड़ देना है बीच में?
जिज्ञासू – साथ लेकर चलना है।
What does Baba say? I will take you children along (with me). What? It is not as if I will go to the abode of liberation *(muktidham)* alone. Then even the soul of Ram will have to think that Krishna will become his child in the Golden Age. There will be a kingdom of Ram, won't there? So, the soul of Ram will establish the kingdom of Ram and the child Krishna will take birth in the Golden Age. So, he will have to simultaneously uplift child Krishna, won't he? Although he (the soul of Krishna) does not have a body, the soul is there, so will his soul be uplifted or not? Otherwise, how will it become worthy of taking birth? So, they will go to the Golden Age together. The soul of Ram as well as the soul of Krishna will go. So, what is the duty of you all children? Should you take the creation along with you or should you leave them midway?
Student: We have to take them along.

बाबा– यहीं तो आपका कहना था। स्थूल धन की तो बात नहीं है लेन–देन की?
जिज्ञासू – यहीं थी।
बाबा – यहीं बात थी। तो इसमें ये नहीं सोचना है कि हम इसके साथ रहेंगे तो गिर पड़ेंगे। नहीं, साथ में रह करके गिरना नहीं। हमारे ऊपर दूसरे का प्रभाव पड़ना चाहिए या हमारा प्रभाव उसके ऊपर पड़ना चाहिए? हम सर्वशक्तिवान बाप के बच्चे और वो सर्वशक्तिवान माया के बच्चे। कौन हार करके भाग जाए?
जिज्ञासू – माया।
Baba: This is what you wanted to say. Is it about the exchange of wealth?
Student: This was the issue.
Baba: This was the issue. So, in this, you should not think: if we live with him/her, we will experience downfall. No, you should not fall while living together. Should we become influenced by the others or should we influence him/her? We are the children of the Almighty Father and they are the children of the Almighty *Maya*. Who should suffer defeat and run away?
Student: *Maya*.

बाबा – माया भले भाग जाए। और उसको भागना ही है, हमें मालूम है। हं। नई दुनियाँ आने वाली है सतयुग आने वाला ही है। वहाँ सत्य का राज्य होगा या झूठ का राज्य होगा? माया तो झूठी है। तो हमें मालूम है कि आज नहीं तो कल ये माया के बादल बिखरके रहेंगे। तो उसका काम है गिराने का और हमारा काम है उठने का और उठाने का। हमें उन राहों पर चलना है जहाँ गिरना और सम्भलना है। तो ऐसे नहीं कि हमारे कोई टाँग पकड़ के खींच रहा है और हम भाग खड़े हो। हम भागने वाले योद्धा नहीं है। मान लो कोई युद्ध के

मैदान में लड़ाई लड़ रहा है। अच्छा साईकिल चलाने वाला साईकिल चलाने का पुरूषार्थ कर रहा है। गिर जाता है तो क्या पड़ा ही रहे? पड़ा रहता है क्या? गिर जाता है इधर–उधर देखा और फटाक से उठा और फिर बैठ गया। तो उसे हारा हुआ कहेंगे क्या? नहीं। वो हारा हुआ थोड़े ही कहा जाता है ।
जिज्ञासू – बाबा वो तो और जल्दी उठता है।
बाबा – हां, वो तो और जल्दी उठता है। अरे, हमारी बेइज्जती हो जाएगी।
Baba: Let *Maya* run away and we know that she is bound to run away. Hum, the new world is going to arrive; the Golden Age is just going to arrive. Will there be the rule of truth or the rule of falsehood there? *Maya* is false. So, we know that if not today, tomorrow these clouds of *Maya* will scatter. So, her job is to make us fall and our job is to rise and to make others rise. We have to walk on those paths where we have to fall and recover ourselves. So, it should not be the case that someone is pulling our legs and we run away. We are not the warriors who run away (from the battlefield). Suppose, someone is fighting in a battlefield; suppose, a person who drives a bicycle, is doing the *purusharth* of driving the bicycle. Suppose he falls down; should he continue to lie down? Does he remain lying down? If he falls; he looks here and there and immediately stands up and sits on the bicycle again. So, will he be called a loser? No. He is certainly not said to be defeated.
Student: Baba, he rises even more quickly.
Baba: Yes, he rises even more quickly (thinking) Arey, I will be disgraced.

समय – 30.09
जिज्ञासू – बाबा, कबीर ग़रीबी में भी सुखी थे और राजा जनक के बारे में आता है वो राज्य चलाकर भी विदेही थे। इन दोनों का पुरूषार्थ संगमयुग में एक तरह का हुआ या वो ही आत्मा दोनों में रोल करती है?
बाबा – कबीर जो है वो परमधाम से उतरने वाली नई आत्मा है या पुरानी आत्मा है?
जिज्ञासू – नई है।
बाबा – नई आत्मा है। तो जो नई आत्मा उतरती है वो तो सुखी ही होगी। वो दुखी क्यों होगी? काईस्ट ऊपर से आता है, जिसमें आता है उसको फाँसी लगती है। कीलों में गाड़ा जाता है। तो जो शरीरधारी है वो दुःखी होता है या काईस्ट दुःखी होता है? शरीरधारी दुःखी होता है। ऐसे ही ये डबल–डबल पुरूषार्थ है।
Time: 30.09
Student: Baba, *Kabir* (a saint) was happy even in poverty and it is said about King *Janak* that he was soul conscious even while being a ruler. Was the purusharth made by both of them in the Confluence Age similar or does the same soul play both the roles?
Baba: Was *Kabir* a soul that descended newly from the Supreme Abode *(Paramdham)* or was it an old soul?
Student: It was new.
Baba: It was a new soul. So, the new soul that descends (from the Supreme Abode) will certainly be happy. Why will it be sorrowful? Christ comes from above; the person in whom he comes is hanged. He is crucified. So, does the bodily being experience the sorrow or does (the soul of) Christ feel the sorrow? The bodily being feels the sorrow. Similarly, this is double *purusharth*.

समय – 31.10
जिज्ञासू – बाबा, निराकारी स्टेज कैसे अच्छी बनेगी?
बाबा – जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा हो जाएगा। कहते हैं ना तन, मन, धन सब तेरा। तो कहीं तेरे को मेरा तो नहीं बना रहे हो?
जिज्ञासू – नहीं, बनी तो नहीं। अभी तो थोड़ा–थोड़ा।

बाबा – थोड़ा–थोड़ा है ना। तो थोड़ा देहभान की स्टेज भी रहेगी।
Time: 31.10
Student: Baba, how will our incorporeal stage become good?
Baba: The more you add jaggery (sweet), the sweeter the dish will become. You say: the body, the mind, the wealth, everything belongs to you (Shivbaba). So, (check) whether you are converting 'yours' into 'mine'?
Student: No, it is not so. Still a little…
Baba: There is a little (thought that it is 'mine'), isn't there? So, there will be a stage of body consciousness to some extent too.

समय – 37.42
जिज्ञासू – बाबा, मृत्यु के बाद शरीर को चिता में जलाते हैं हिंदुओं में। तांत्रिक उसको कन्ट्रोल कर लेते हैं वो फिर आत्मा जन्म लेती है या नहीं?
बाबा – थोड़े समय जन्म नहीं लेती है जो सूक्ष्मशरीर लेती हैं।
जिज्ञासू – माना वो कन्ट्रोल में रहती हैं।
बाबा – ज्यादा समय कन्ट्रोल नहीं कर सकते हैं वो तांत्रिक। वेा तांत्रिक उन्हीं आत्माओं को कन्ट्रोल करते हैं जिन्होंने अकाले मौत में दो–चार बार शरीर छोड़ा हो। उन्हीं आत्माओं को कन्ट्रोल कर सकते हैं। जिन्होंने अकाले मौत में कभी शरीर छोड़ा ही नहीं हो उनको कन्ट्रोल नहीं कर सकेंगे।
Time: 37.42
Student: Baba, among Hindus, after a person's death, the dead body is cremated (burnt on the pyre). Suppose *tantriks* (black magicians) control that soul; then does that soul take rebirth or not?
Baba: The soul that assumes a subtle body does not take birth for some time.
Student: It means that it remains under their control.
Baba: Those *tantriks* cannot control it for a long time. Those *tantriks* control only those souls who have left their bodies in an untimely death two-four times. They can control only those souls. They will not be able to control those who have never left their bodies in an untimely death.

जिज्ञासू – फिर वो जो बाप आते हैं संगमयुग में.....वो प्रेत–आत्मा का डिपार्टमेंट बंद करवाओ।
बाबा – ये प्रेत आत्माओं का डिपार्टमेन्ट ही रावण सम्प्रदाय है। तुम किसको रावण सम्प्रदाय समझते हो? ये जो प्रेत आत्माऐं बनती हैं, सूक्ष्मशरीर धारण करती हैं। अकाले मौत जिनका होता है ये ज्यादा पाप आत्माऐं हैं। यही रावण सम्प्रदाय है।
जिज्ञासू – तंग करते हैं।
बाबा – रावण सम्प्रदाय तंग नहीं करेगा और क्या सुख देगा? रावण का मतलब ही है रुलाने वाला।
Student: Then the Father who comes in the Confluence Age….. closes the department of the ghosts and spirits.
Baba: This department of ghosts and spirits indeed is the community of Ravan. Whom do you consider as Ravan community? The souls that become ghosts and spirits, assume a subtle body, those who die in an untimely death are more sinful souls. They themselves are the Ravan's community.
Student: They trouble.
Baba: Will the Ravan community trouble or will it give happiness? The very meaning of Ravan is the one who makes others cry.

समय – 39.22
जिज्ञासू – बाबा, ये देशभक्तों की आत्माऐं जो हैं वो स्वर्ग की कल्पना कभी करते नहीं। स्वर्ग नहीं चाहते वो और नर्क में उनको भेज भी नहीं सकता कोई। वो बीच में रहते हैं तो जन्म ही नहीं लेते हैं। वो कैसे कार्य करते हैं?
बाबा – देशभक्त जो–जो हुए हैं जिन्होंने बलिदान किए हैं और चारों तरफ उनका नाम बाला हो गया है। भगतसिंह आदि..... वो ऊपर से उतरने वाली नई आत्मा है या पुरानी आत्मा है?
जिज्ञासू – नई आत्मा है।
बाबा – नई आत्मा है; इसलिए चारों तरफ शौहरत हो गई। वो कोई सतयुग में जन्म लेने वाली देव आत्माऐं थोड़े ही है। हाँ, जिसमें प्रवेश किया वो सतयुग की आत्मा हो सकती है।
Time: 39.22
Student: Baba, these souls of the patriots never imagine about heaven. They do not desire heaven and nobody can send them to hell either. They remain in between; so, they do not take birth at all. How do they work?
Baba: The patriots who have existed, who have sacrificed their lives and who have become famous everywhere (like) Bhagat Singh etc….Are they souls who descended newly from above or are they old souls?
Student: They are new souls.
Baba: They are new souls; that is why they became famous everywhere. They are not deity souls who take birth in the Golden Age. Yes, the one in whom they entered can be the souls of the Golden Age.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.